केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल में लवणीय जल का कृषि में उपयोग परियोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक संपन्न

संस्थान में लवणग्रस्त मृदाओं का प्रबंध एवं लवणीय जल का कृषि में उपयोग विषय पर परियोजना की वार्षिक समीक्षा की बैठक 6 से 7 मइ, 2016 को संपन्न हुई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार चौधरी (उपमहानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली का स्वागत करते हुए बताया कि इस परियोजना के 12 केन्द्र देश के विभिन्न राज्यों में क्षेत्र विशेष की समस्याओं के समाधान के लिये शोध कार्य कर रहे हैं। परियोजना का उद्देश्य समस्याग्रस्त क्षेत्रों के किसानों की आय को 2022 तक दुगुना करना है और कृषि पर होने वाली लागत को कम करना है।

मुख्य अतिथि डा. एस.के. चौधरी ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता की प्रौद्योगिकियों का विकास हुआ है जिससे किसानों को बहुत लाभ हुआ है। उन्होंने वैज्ञानिकों का आवहान करते हुए कहा कि वह अलग–अलग जलवायु क्षेत्र में स्थान विशेष की समस्याओं को ध्यान में रखकर किसानों के साथ जुड़कर कार्य करें अनुसंधान करें। जिससे किसानों को अधिक से अधिक लाभ हो। उन्होंने भूमिगत जल की विषाक्तता के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इसमें पाये जाने वाले विषैले तत्व जैसे आरसेनिक, फ्लोराइड इत्यादि घातक साबित हो रहे हैं। उन्होंने इनके खतरनाक प्रभावों को दूर करने की प्रौद्यागिकियों का विकास करने की आवश्यकता पर बल दिया। भूतपूर्व निदेशक डा. डी.के. शर्मा ने कहा कि अच्छी पैदावार लेने के लिये हमें समन्वित खेती व विविधिकरण को बढ़ावा देना होगा और हमें कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों का विकास करना होगा। जल को बचाने के लिये सीधी बीजाई तथा बूंद–बूंद व फव्वारा सिंचाई को अपनाने पर जोर देना चाहिये। परियोजना समन्व्यक डा. एम.जे कलेढोणकर ने परियोजना इकाई की गतिविधियों को विस्तार से बताया व मीटिंग में होने वाली कार्रवाई के मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। डा. रामेश्वर लाल मीणा ने समीक्षा मीटिंग का संचालन किया। इस अवसर पर डा. जे.सी डागर, डा. एस.के. गुप्ता, डा. आर.के. यादव, डा.

रणधीर सिंह, डा. डी.एस. बुन्देला तथा प्रधान वैज्ञानिक डा. एस. के. कामरा, डा. मधुरमा सेठी, डा. पी. के. जोशी, डा. रणबीर सिंह, डा. ए. के. मंडल, डा. प्रवीण कुमार, डा. ए. के. राय, डा. सत्येन्द्र कुमार तथा वैज्ञानिक डा. बाबू लाल मीणा, जनसम्पर्क अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रेषक

अनिल कुमार शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी
भाकृअनुप. के.मृ.ल.अं.सं., करनाल